कार्यवाही		
20/1/25	पत्रावली पेश हुई। वकील वादीगण उप. नक्शा दुरुस्ती पर बहस सुनी जा चुकी है। पत्रावली का अवलोकन व मनन करने के पश्चात वादीगण का वाद मुताबिक नक्शा दुरुस्ती डिक्री किया जाता है। निर्णय पृथक से टंकित किया जाकर शामिल मिसल हो। पत्रावली फैसल शुमार होकर दज नकल से कम हो। आदेश खुले न्यायालय में सुनाया गया।	

पीठासीन अधिकारी

Signature Not Verified

Digitally signed by Suman Choudhary
Date: 2025.02.05 15:19:28 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner